आवश्यक सूचना 3

हिंदी विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू. जी.सी.) के सौजन्य से 'इक्कीसवीं सदी का हिंदी कथा साहित्य : चिन्तन की विविध दिशाएँ ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी** का आयोजन **05 - 06 सितम्बर 2019** को किया जा रहा है| संगोष्ठी में प्रपत्र - प्रस्तुतीकरण हेतु शोध पत्र आमंत्रित हैं| शोध पत्र सर्वथा मौलिक, अप्रकाशित एवं विषय से सम्बंधित होने चाहिए | शोध पत्र का **सारांश भेजने की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2019** है| सारांश की शब्द-सीमा लगभग 500 शब्द है। सम्पूर्ण शोध पत्र भेजने की **अंतिम तिथि 20 अगस्त 2019** है| शोध-पत्र की **शब्द-सीमा 2000-3000 के मध्य** होनी चाहिए। आप सारांश एवं शोध पत्र इस ई-मेल पर भेज सकते हैं : **kncnationalseminar2019@gmail.com** शोध पत्र **कृतिदेव 10 अथवा यूनिकोड फान्ट में ही टाइप होने चाहिए** तथा **वर्ड फाइल एवं पी.डी.एफ. दोनों रूपों में** भेजे जाने चाहिए। शोध पत्र की एक प्रति (हार्ड कॉपी) पंजीकरण स्थल पर जमा करानी अनिवार्य है।

पंजीकरण संगोष्ठी स्थल पर 05 और 06 सितम्बर दोनों दिन होगा। समय: प्रातः9 बजे से 11 बजे।

पंजीकरण शुल्क : प्राध्यापक - 500/- शोधार्थी - 300/-

जो प्रतिभागी ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क जमा कराना चाहते हैं, वे निम्न विवरण के अनुसार राशि जमा करा सकते हैं-

Name of Beneficier : KNC Student Fund Society a/c

Name of the Bank: State Bank of India

Address: M. 2. South Extension-Part II

New Delhi-110049

S. B. A/C no. 10732134483

IFSC - SBIN0003219

MICR-110002117

केवल चयनित आलेखों का प्रकाशन ही पुस्तकाकार रूप में किया जाएगा।

संगोष्ठी से सम्बंधित **कुछ उपविषय** इस प्रकार हैं :

1. 21वीं सदी के कथा साहित्य में नई पूंजीवादी व्यवस्था एवं औद्योगिकीकरण से उत्पन्न स्थितियों का चित्रण |
2. गैर - परम्परागत मीडिया का कथा साहित्य पर प्रभाव
3. 21वीं सदी के कथा साहित्य में नई तकनीक का प्रभाव
4. नई सदी की भाषा भंगिमा और चुनौतियां
5. 21वीं सदी के कथा साहित्य में वैश्वीकरण का आगमन : चुनौतियां और प्रभाव
6. 21वीं सदी के कथा साहित्य में आदिवासी कथा साहित्य का योगदान एवं मूल्यांकन
7. 21वीं सदी के कथा साहित्य में आदिवासी स्त्री की समस्याएं और संघर्ष
8. 21वीं सदी के हिंदी उपन्यास और पर्यावरणीय संकट
9. 21वीं सदी के उपन्यास में विकास बनाम पर्यावरणीय संकट

10. 21वीं सदी के उपन्यास में पर्यावरणीय चेतना और हिंदी कहानी
11. 21वीं सदी के कथा साहित्य में जल- जंगल - जमीन के प्रश्न
12. 21वीं सदी के कथा साहित्य में चित्रित जल एवं वृक्ष संरक्षण के आन्दोलन
13. 21वीं सदी के कथा साहित्य और पर्यावरण चिंतन
14. 21वीं सदी के कथा साहित्य में शहरीकरण , पलायन एवं पर्यावरण के प्रश्न
15. ***21वीं*** सदी के कथा साहित्य में चित्रित नदियों का जीवन
16. 21वीं सदी के कथा साहित्य में चित्रित धार्मिक आस्थाएं एवं पर्यावरण के अंतर्संबंध
17. 21वीं सदी के कथा साहित्य में व्यक्त जलवायु परिवर्तन के प्रश्न
18. 21वीं सदी के कथा साहित्य में सोशल मीडिया की भूमिका
19. 21वीं सदी के कथा साहित्य में 21वीं सदी के कथा साहित्य में दलित स्त्री और सामाजिक परिवेश
20. 21वीं सदी के दलित कथा साहित्य में सामाजिक , आर्थिक और शैक्षणिक जीवन
21. 21वीं सदी के कथा साहित्य में दिव्यांगों का सामाजिक जीवन एवं चुनौतियाँ
22. 21वीं सदी के कथा साहित्य में दिव्यांग स्त्री की समस्याएं
23. 21वीं सदी के कथा साहित्य में दिव्यांगों के अधिकार एवं चुनौतियाँ
24. 21वीं सदी के कथा साहित्य में चित्रित वृद्ध दिव्यांगों की स्थिति
25. 21वीं सदी के कथा साहित्य में दिव्यांगों के लिए रोजगार एवं चुनौतियाँ
26. 21वीं सदी के कथा साहित्य में किन्नरों की सामाजिक चुनौतियाँ
27. 21वीं सदी के कथा साहित्य में किन्नर विमर्श और भारतीय समाज
28. 21वीं सदी के कथा साहित्य में किन्नरों के प्रति समाज का वर्तमान दृष्टिकोण
29. 21वीं सदी के कथा साहित्य में पर्यावरणीय संवेदना
30. 21वीं सदी का प्रवासी हिंदी कथा साहित्य

उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त मुख्य विषय से सम्बंधित अन्य उपविषयों पर भी आप अपने शोध पत्र भेज सकते हैं| संगोष्ठी से सम्बन्धित अन्य सूचनाएं समय - समय पर दी जाती रहेंगी|

डॉ. सुषमा सहरावत — **प्राचार्या**

संगोष्ठी संयोजिका — **डॉ. कल्पना भाकुनी**

मोबाइल : 9891483516

अधिक जानकारी के लिए **संपर्क** करें,

डॉ. मनोज कुमार : 8826882745

डॉ. मोहम्मद इसरायल : 9818696278